Price ₹ 5/-

वर्ष-12, अंक-141, सितंबर 20, 2021

हृदय और धड़कन

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. विनीत सांग्रला	+91-99250 15056	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664	डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
		डॉ. दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980

कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. किशोर गुप्ता	+91-99142 81008
डॉ. निकुंज व्यास	+91-73531 65955

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700

कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांग्रला	+91-99250 15056
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

दिल का दौरा (हार्ट एटेक) किसे कहते है ?
जीवनशैली में बदलाव लाने से हृदय रोग का ख़तरा 50% तक कम हो सकता है !

“विश्व में विभिन्न रोगों के कारण मरने वालों की संख्यामें हृदय रोग से मरने वालो की संख्या बढ़ती जा रही है। लगभग एक तिहाई लोग दिल के दौरे या स्ट्रोक से पीड़ति हैं। सवाल यह है कि दिल का दौरा क्यों आता है?

"हृदय एक पंप है और हमारे जीवनकाल में हमारे शरीर में २०० मिलियन लीटर रक्त पंपींग करता है। यह एक ही अंग बिना किसी रुकावट के दिन-रात शरीर के लिए काम करता है। इसे काम करने के लिए ऑक्सीजन और ग्लूकोज की जरुरत होती है। जो हृदय की सतह के ऊपर रक्तवाहिकाओं के माध्यम से पहुंचता है। उम्र के साथ, सभी की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल (वसा) जमा हो जाता है और धमनियां सिकुड़ जाती हैं। इससे व्यक्ति को श्रम करते समय दिल का दर्द महसूस होता है। दर्द अस्थायी है और दो से पांच मिनट तक आराम करने या नाइट्रोग्लिसरीन की गोली लेने से रोका जा सकता है। आम धारणा है कि छाती के बाएं हिस्से में या बाएं हाथ में ही दर्द यह बात भी सच नहीं है। यह दर्द दाहिने हाथ या कंधे में, गले में, निचले जबड़े में, पेट में, नितंबों में या छाती के बीच में भी हो सकता है। २० % लोगों को बिल्कुल भी दर्द का अनुभव नहीं होता है।

जब यह कोरोनरी धमनी अचानक बंद हो जाती है, तो हृदय के कुछ हिस्सों में रक्त की आपूर्ति पूरी तरह से कट जाती है, जिससे दिल का दौरा पड़ता है। आप जानते हैं कि ६०% पुरुषों और ५०% महिलाओं को हृदय रोग की चेतावनी भी नहीं मिलती है और पहला लक्षण सीधा दिल का दौरा ही आता है। और सबसे गंभीर बात यह है कि दिल का दौरा पड़ने पर २५ % लोग घर से डॉक्टर के पास पहुंचने से पहले ही मर जाते हैं। दुनिया में किसी और बीमारी की इतनी ऊंची और तेज मृत्यु दर नहीं है! और संजीदा बात यह है की भारत में हृदय रोग के मामले दुनिया के किसी भी देश की तुलना में ५ से १० गुना अधिक हैं और भारत को हृदय रोग की राजधानी कहा जाता है!

"क्या आपने कभी किसी हाथी को दिल का दौरा पड़ने या घोड़े को लकवा मारने के बारे में सुना है?" अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में रहने वाली कुछ जनजातियों को आज भी दिल का दौरा या पक्षाघात नहीं होता है! तो हमें क्यों ये आता है? ऐसा इसलिए है क्योंकि स्तनधारियों और उन जनजातियों के रक्त कोलेस्ट्रॉल का स्तर १००% से कम है और एनडीएन (सबसे घातक कोलेस्ट्रॉल) का स्तर ५०% से कम है।हमारे जन्म के समय, हमारा स्तर भी समान था । इतने कम कोलेस्ट्रॉल के कारण इन सभी रक्तवाहिकाओं में चरबी जमा नहीं होती है। और इससे दिल का दौरा या पक्षाघात नहीं होता है। पिछले कुछ वर्षों में हमारी जीवनशैली में काफी बदलाव आया है।

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

तनावपूर्ण जीवन, आहार में घी, तेल, मिठाइयों का अधिक सेवन, तंबाकू का अधिक सेवन, वजन बढ़ना और मोटापा, व्यायाम की कमी, मधुमेह-बीपी जैसी बीमारियों की बढ़ती घटना और आधुनिक जीवन की भागदौड़, प्रतिस्पर्धा और कम समय में अधिक पैसा कमाने के हमारे रवैये के कारण, हमारे कोलेस्ट्रॉल और रक्तका स्तर दोगुने से अधिक हो गया है और यह रक्त वाहिकाओं में थक्का बनने लगा, जिससे दिल का दौरा या पक्षाघात के किस्से होते है। भारत के प्रधानमंत्री हों या फिर अमेरिका के राष्ट्रपति, यह बीमारी किसी को नहीं छोड़ती। क्या हम इससे बच सकते हैं? अकेले जीवनशैली में बदलाव से इस जोखिम को ५०% तक कम किया जा सकता है। जीवन की भागदौड़ भरी रफ्तार से दूर रहें और तनाव से मुक्ति पाने के लिए योग-ध्यान का सहारा लें, आहार में अत्यधिक चरबीयुक्ततेलों का प्रयोग कम करें, हरी सब्जियों, फलों का प्रयोग बढ़ाएं, किसी भी प्रकार के तंबाकू के सेवन से बचें, संतुलित वजन बनाए रखें और व्यायाम के लिए दिन में ४५ से ६० मिनट अलग रखें। अगर आपका ब्लड प्रेशर (बीपी) हाई है तो जीवनशैली और जरूरी दवाओं के साथ इसे वापस नॉर्मल लेवल पर लाएं। किसी भी उम्र में हमारी माध्यिका BP 130/80 mm.Hg से कम होनी चाहिए। यदि रक्तमें चरबी की मात्रा अधिक है, तो इसे आहार-व्यायाम और डॉक्टर के सलाह द्वारा आवश्यक दवा से भी कम किया जा सकता है।

हृदय रोग से बचने के लिए निम्नलिखित समीकरण को याद रखे	
ब्लड प्रेशर	
उत्तम	< 120/80 mm Hg
सामान्य (नोर्मल)	< 130/85 mm Hg
सामान्य से अधिक	130-139 / 85-89 mm Hg
हाई बीपी (Hypertension)	> 140/90 mm Hg

लीपीड प्रोफाईल	
सामान्य (नोर्मल)	हृदयरोग के मरीज़, डायाबिटीस, हाई बी.पी., के जोखिम परिबल
कोलेस्ट्रोल < 150 mg %	कोलेस्ट्रोल < 150 mg %
LDL < 100 mg %	LDL < 50-70 mg %
Triglyceride < 120 mg %	Triglyceride < 100 mg %
HDL > 45 mg %	HDL > 50 mg %
LDL/HDL < 1.5	LDL/HDL < 1.0-1.5

नोर्मल वज़न नापनेकी सरल रीत
उचाई (cm) - 100 वज़न (kg) उ.दा. आपकी उचाई 160 cm हो तो 160 cm - 100 = 60 kg
डायाबीटीस का कंन्ट्रोल
3 महिने का अंदाजित (Glycated Hb) = 6.0-7.0

एक समूह की दवा इसमें बहुत उपयोगी साबित हुई है और यह दिल का दौरा, पक्षाघात और मृत्यु दर को ३० -५० % से अधिक तक कम कर सकती है। भारतीयों में चरबी की मात्रा उसके आगे दिखाई गए टेबल के अनुसार ही रखनी चाहिए। यदि आपको मधुमेह है, तो आपको नियमित रूप से ३ महीने का औसत रक्तशर्करा ६. ५ से ७. ० के बीच का स्तर होना चाहिए।

और सबसे महत्वपूर्ण बात: यदि आपको विरासत में हृदय रोग की बिमारी मिली है तो आपको इसके होने की संभावना अधिक होती है। और इससे बचने के लिए आइए आज से प्रयास करना शुरू करते हैं।

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

सीम्स अस्पताल, अहमदाबाद,
महावीर ईन्टरनेशनल - बाड़मेर, आई.एम.ए. ब्रान्च - बाड़मेर

सर्व रोग परीक्षण केम्प

दिनांक और समय

अक्टूबर 03, 2021, रविवार,
सुबह 9:30 बजे से दोहपर 1:00 बजे

स्थल

जैन भोजनशाला, स्टेशन रोड, बाड़मेर

कार्डियोलोजीस्ट (हृदय रोग विशेषज्ञ)

डॉ. सत्य गुप्ता । डॉ. विपुल कपूर । डॉ. हिरेन केवडीया

हाइ ब्लडप्रेशर (बी.पी) एवं डायाबिटीस, हार्ट अेटेक, एन्जियोग्राफी, एन्जियोप्लास्टी करने की हो या करानी की हो, सीनेमें दर्द, चक्कर आना, जिसके हृदय की धड़कन कमजोर है, जैसी हृदय रोग की सभी बिमारी

कार्डियाक सर्जन (हृदय की सर्जरी के विशेषज्ञ)

डॉ. धीरेन शाह

हृदय प्रत्यारोपण एवं टावी, हृदय की नसोमें ब्लोकेज (बायपास सर्जरी), कमजोर हृदय की सर्जरी, हृदय वाल्व या होल का ओपरेशन, जन्म से हृदय की बीमारी, जैसी सभी हृदय रोग सर्जरी

ओन्कोसर्जन (केन्सर रोग विशेषज्ञ)

डॉ. जयेश पटेल

केन्सर जैसे मुहँ, गले, स्तन, गर्भाशय और अंडाशय, अन्ननली, जठर एंव आंत ईत्यादि

लीवर ट्रान्सप्लान्ट (लीवर संबंधित रोग एवं ट्रान्सप्लान्ट)

डॉ. आनंद खरवर

लीवर ट्रान्सप्लान्ट, लीवर, बीलीयरी और पैनक्रिएटिक डिसओर्डर, लीवर सिरोसिस और एक्युट लीवर फैल्योर, लीवर कैन्सर, हेपेटाईटिस - एक्युट और क्रोनिक, बाईल डक्ट और पैनक्रिएटिक कैन्सर

न्यूरो एवं स्पाईन सर्जन (दिमाग एवं रीढ के विशेषज्ञ)

डॉ. देवेन जवेरी

दिमांग एंव रीढ की हड्डी, मस्तिष्क टचूमर, स्ट्रोक, माईग्रेन

ओर्थोपिडीक्स सर्जन (हड्डी रोग के विशेषज्ञ)

डॉ. समीप शेठ

आथ्रोस्कोपी, जोईन्ट रिप्लेसमेन्ट, रीवीजन सर्जरी, स्पोटर्स इंजरी

डॉ. पार्थ पारेख

पैर की घुंटी मे दर्द, पैर जमीन पर रखनमें/चलने दर्द, स्पोटर्स इंजरी, फ्लेट फुट

ग्रेस्ट्रोएन्ट्रोलोजीस्ट (पेट संबंधित रोग के विशेषज्ञ)

डॉ. भावेश ठक्कर

गैस, पेट में एसिड की समस्या, कब्जियत या दस्त, एंडोस्कोपी, पेट में कैंसर समस्या

यूरोलोजी (मूत्राशय संबंधित रोग के विशेषज्ञ)

डॉ. पार्थ नाथवाणी

पेशाब में रक्त आना, मूत्रमार्ग का कैन्सर, पेशाब में ईन्फेक्शन, पथरी की समस्याओ

ई.एन.टी.

डॉ. हेमल शाह

कान, नाक और गले के विशेषज्ञ

पल्मोनोलोजीस्ट (फेफड़े के रोग के विशेषज्ञ)

डॉ. प्रदीप डाभी

लंबे समय से खांसी, दम (अस्थमा), टीबी, फेफड़े में चेप, फाईब्रोसीस ईत्यादि

आई.वी.एफ (नि:संतान की समस्या के विशेषज्ञ)

डॉ. कामिनी पटेल

अंडकोश या शुक्रकोश की समस्या, गर्भ रखनमें समस्यो का निवारण, गर्भपात होना, माता की आयु ज्यादा होनी, प्रत्यारोपण की विसफलता

नेफ्रोलोजी (किडनी रोग के विशेषज्ञ)

डॉ. मयुर पाटील

मधुमेह से किडनी फेल्योर, एक्युट क्रोनिक किडनी फेल्यर, नेफ्रोटीक सिन्ड्रोम

बर्न एवं प्लास्टीक सर्जन

डॉ. वत्सल कोठारी

माईक्रो वास्क्युलर, ओन्को री-कन्टस्ट्रीव प्लास्टीक सर्जन

मुख्य अतिथि : श्री मेवाराम जैन - विधायक, बाड़मेर । विशिष्ट अतिथि : श्री दीपक माली - चेरमेन (सभापत्ती), नगर परिषद, बाड़मेर
वीर गौतम डुगरवाल (जोन अध्यक्ष), महावीर ईन्टरनेशनल, बाड़मेर - बालोत्तरा । वीर बाबूलाल संकलेचा (जोन सचिव), महावीर ईन्टरनेशनल, बाड़मेर - बालोत्तरा

पंजीकरण हेतु : महावीर ईन्टरनेशनल, बाड़मेर रजिस्ट्रेशन शुल्क 20 रु

अध्यक्ष	सचिव	व. उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष
वीर दिनेश भंसाली	वीर गौतम एन. बोथरा	वीर भुरचंद मालु	वीर कैलाश हालावाला	वीर सतीष छाजेड़
मो. 9461745665	मो. 9414269104	मो. 9414119612	मो. 9414106216	मो. 9414106572

श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक छात्रावास - फोन नं. 02982 - 220413

केम्प में मास्क एवं सामाजिक अंतर रखना अनिवार्य है ।

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

सीम्स अस्पताल
ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद

महावीर ईन्टरनेशनल - बाड़मेर
आई.एम.ए. ब्रान्च - बाड़मेर

ज्यादा जानकारी के लिये संपर्क किजिए केतन आचार्य +91 98251 08257

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

17th हार्ट ट्रान्सप्लान्ट

SEPTEMBER 16, 2021

सीम्स कार्डियाक सायन्स

स्त्रीओ एवं हृदय रोग

क्या आपने हृदय की जाँच करवाई है ?

आपके स्वास्थ्य की आप खुद देखभाल करे

हर साल जरुरी जाँच करवाये

लक्षण को नजरअंदाज ना करे

आपके हृदय के स्वस्थ्य बारे जरुरी सवाल पूछे

हार्ट अटेक के लक्षण

हाथ, गरदनया पीठमें दर्द | छाती में दर्द | साँस लेने में दिक्कत | उलटी या जी मिचलाना | चक्कर आना या सिरदर्द

अन्य लक्षण : ठंडे मौसम में पसीना होना, असामान्य थकान लगना, नींद में तकलीफ होनी

सिम्स में सफलतापूर्वक संपन्न हुई 700 ग्राम वजन की नवजात के दिल की सर्जरी

सिम्स अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने 24 दिन की नवजात बच्ची की सर्जरी में किया कई चुनौतियों को पार।

अहमदाबादः एक अद्भुत और बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति में, एक प्रीमैच्योर (समय से पूर्व होने वाले बच्चे) ७०० ग्राम के नवजात के हृदय की शल्य चिकित्सा स्थानीय सीआईएमएस में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। २४ दिन की इस नवजात बच्ची के हृदय में विकार था जिसके लिए यह सर्जरी की गई।

इस नवजात बच्ची का जन्म मेहसाणा के खेरालु में हुआ था और इसे जन्म से ही 'पेटेंट डक्ट्स आर्टिरियोसिस' नामक हृदय विकार था। इस स्थिति में डक्ट्स आर्टिरियोसिस, जो कि सामान्यतः जन्म के समय बन्द हो जाता है, वह खुला रह जाता परिणामस्वरूप ऑक्सीजन युक्त खून शरीर में सर्क्युलेट होने की बजाय, वापस फेफड़ों की तरफ जाने लगता है।

यह नवजात, एप्निया (सांस में रुकावट) वाली स्थिति में आ गई थी और अचानक इसने सांस लेना बंद कर दिया था। सीम्स के पीडियाट्रिक कार्डियोलोजिस्ट डॉ. दिव्येश सादड़ीवाला ने इसका परीक्षण किया और सर्जरी के लिए रेफर किया।

सिम्स में पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जन, डॉ. शौनक शाह, ने बताया- "इस हृदय विकार को सुधारने के लिये, पीडीए लाईगेशन (ब्लड वेसल को बांधकर बन्द कर देना) सर्जरी की जरूरत होती है लेकिन इस केस में यह कई सारे कारणों से बहुत रिस्की थी। बेबी का जन्म समय से पहले हो गया था और उसका वजन बहुत कम था। उसका क्रिएटिनिन लेवल बहुत अधिक था जो कि किडनी के ठीक तरह से काम न करने की ओर इशारा कर रहा था। साथ ही बेबी में कुछ संक्रमणों के लक्षण भी दिखाई दे रहे थे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि जन्म से ही वजन कम होने से बेबी की स्थिति बहुत नाजुक हो गई थी। इसके बावजूद हमने पीडीए लाईगेशन सर्जरी की दिशा में आगे बढ़ने का निर्णय लिया क्योंकि यही एकमात्र विकल्प था।"

डॉ. शाह ने बताया कि शनिवार को बच्ची की पीडीए लाईगेशन सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

सिम्स की एनेस्थेसिया टीम का नेतृत्व डॉ. नीरेन भावसार, डॉ. हीरेन ढोलकिया, डॉ. चिंतन शेठ ने किया। सीआईएमएस के नियोनेटल एवं पीडियाट्रिक इंटेंसिविस्ट, डॉ.अमित चितलिया भी नवजात का जीवन बचाने में सफल रही इस सर्जरी करने वाली टीम का हिस्सा रहे। बच्ची अभी रिकवर कर रही है।

डॉ. अमित ने कहा-' सिम्स में अब तक की गई सर्जरीज़ में यह नवजात सबसे कम वजन की और संभावित रूप से सबसे छोटी बच्ची थी जिसका ऑपरेशन हमने किया। बल्कि शायद पूरे गुजरात मे यह सबसे छोटी नवजात हो जिसकी कार्डियक सर्जरी की गई है।'

उल्लेखनीय है कि बाकी चुनौतियों के अलावा कम वजन वाले शिशुओं में हाइपोथर्मिया होने की भी आशंका होती है। इसका मतलब होता है शरीर के तापमान का अचानक कम हो जाना। यही कारण था कि सर्जरी टीम ऑपरेशन के दौरान एयरकंडीशनर भी चालू नहीं कर सकी। यही नहीं, नवजात को इंफेंट वॉर्मर पर ऑपरेट किया गया।

ये सभी अतिरिक्तचुनौतियां थीं। लेकिन टीम एफर्ट्स और सपोर्ट सिस्टम की वजह से हम इस काम में सफल हुए। यहां सिम्स फाउंडेशन के सहयोग का विशेष उल्लेख भी आवश्यक है, जो कि हमेशा से नवजात मरीजों की इस तरह की जान बचाने वाली सर्जरीज़ में मदद करता रहा है।' उन्होंने आगे कहा।

CIMS Hospital - Care Institute of Medical Sciences
SUBSCRIBE, LIKE & SHARE
SUBSCRIBED

CIMS
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

गुजरातमें अग्रेसर — सीम्स ट्रान्सप्लान्ट सेन्टर, अहमदाबाद

कुशल और अनुभवी ट्रान्सप्लान्ट की टीम के साथ

जहां होते है सभी ट्रान्सप्लान्ट, एक जगह....

- हार्ट ट्रान्सप्लान्ट
- लीवर ट्रान्सप्लान्ट
- किडनी ट्रान्सप्लान्ट
- लंग ट्रान्सप्लान्ट (लायसन्स)
- पीडियाट्रीक बोर्न मेरो ट्रान्सप्लान्ट

अभी तक के 207 ट्रान्सप्लान्ट

17	35	15	140
हार्ट ट्रान्सप्लान्ट	लीवर ट्रान्सप्लान्ट	किडनी ट्रान्सप्लान्ट	पीडियाट्रीक बोर्न मेरो ट्रान्सप्लान्ट

मल्टी-सुपर स्पेशियलीटी होस्पिटल एक जगह सभी निदान

सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

17th	35th	15th
हार्ट ट्रान्सप्लान्ट	लिवर ट्रान्सप्लान्ट	किडनी ट्रान्सप्लान्ट

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2019-2021 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2021
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/088/2019-21 valid upto 31st December, 2021

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2772 2771-75

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 2823

सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद

सिम्स अस्पताल में मेडिकल टीम में नये डॉक्टर शामिल ।

सिम्स केन्सर सेन्टर

डॉ. हिरक व्यास
MBBS, MD(Radiation Oncology),
कन्सलटन्ट रेडियेशन ओन्कोलोजीस्ट
M: +91-96389 83814
hirak.vyas@cimshospital.org

सिम्स कार्डियाक सायन्स

डॉ. निकुंज व्यास
MS, MCh (CVTS)
कन्सलटन्ट कार्डियोवास्क्युलर और थोरासीस सर्जन
M: +91-73531 65955
nikunj.vyas@cimshospital.org

सिम्स पेथोलोजी

डॉ. स्वाति सिंह
MBBS, DNB (Pathology)
कन्सलटन्ट पेथोलोजीस्ट
M: +91-91467 19290
swati.singh@cimshospital.org

डॉ. कजुमी गोंडलीया
MBBS, MD (Pathology)
कन्सलटन्ट पेथोलोजीस्ट
M: +91-98255 54778
kazumi.gondalia@cimshospital.org

अपोईन्टमेन्ट के लिए : +91-79-4805 1008 (M) +91-98250 66661

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।

CIMS CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices